50 लाख रूपए की फिरौती के लिए सीकर से नौ साल के बच्चे का अपहरण

बिना ग्रामीणों के सहयोग से इस ऑपरेशन को कामयाब करना मुश्किल था : एसपी

झुंझुनूं के भाटीवाड़ा ग्राम के ग्रामीण जिन्होंने बच्चे को रेस्क्यू कर छुड़ाया।

■ शक होने पर ग्रामीणों ने बदमाशों की गाड़ी का पीछा किया और बच्चे को मुक्त कराया

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। सीकर से नौ साल के बच्चे का अपहरण 50 लाख रूपए की फिरौती मांगने के प्लान पर ग्रामीणों ने पानी फेर दिया । ग्रामीणों को शक होने पर उन्होंने बदमाशों की गाड़ी का पीछा किया और बदमाशों के चंगुल से बच्चे को मुक्त कराया ।

यह जानकारी खुद बच्चे ने झुंझुनूं के भाटीवाड़ के ग्रामीणों को दी । जी, हां बच्चे को दस्तयाब करने के ऑपरेशन में शामिल ग्रामीण सुरेंद्र महला भाटीवाड़ ने बताया कि जब बच्चा उन्हें मिला और ग्रामीणों ने बच्चे की बात परिजनों से करवाई। इसके बाद बच्चे ने ग्रामीणों को बताया कि जो दो बदमाश थे। वो उसे बार-बार कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए बोल रहे थे। यही नहीं वो बोल रहे थे कि वे उसके परिजनों के पास से 50 लाख रूपए लेकर उसे छोड़ देंगे। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है लेकिन ग्रामीणों ने बच्चे से हुई बातचीत के मुताबिक यह जानकारी मीडिया के साथ साझा की ।

इस ऑपरेशन में शामिल अनिल शर्मा ने बताया कि भाटीवाड़ गांव में संदिग्ध बोलेरो गाड़ी शाम को घुम रही थी। एक दुकान से बोलेरो में सवार युवक ने कोल्ड ड्रिंक और बिस्किट भी लिया और फिर छावसरी गांव की तरफ चली गई। गांव के लोगों को शक हुआ तो गाड़ी का पीछा किया गया। ग्रामीणों को पीछे आते देख बदमाश गाड़ी और बच्चे को छोड़कर भाग गए। जब ग्रामीण पहुंचे तो बच्चा हेल्प मी... हेल्प मी.... की आवाज दे रहा था। ग्रामीण मनोज महला ने बताया कि गांव के अंदर जब गाड़ी चक्कर लगा रही थी। उसी दरमियान गांव के एक व्यक्ति ने बोलेरो गाड़ी में एक बच्चा भी देखा। यह गाड़ी बार-बार चक्कर लगा रही थी तभी शक के घेरे में आ गई। वहीं जब एक दूसरे ग्रामीण ने गांव के लोगों को बताया कि बोलेरो में एक बच्चा भी है। तो ग्रामीणों को इस गाड़ी पर पूरा शक हो गया और गांव के लोगों ने छावसरी की तरफ गाड़ी को ढूंढा। वहीं ग्रामीणों की एक टीम नदी क्षेत्र में चली गई। ग्रामीणों को आते देख बदमाश भाग गए।

ग्रामीणों ने बताया कि भाटीवाड़ गांव के लोगों ने करीब दो से तीन घंटे तक शाम को नदी क्षेत्र में सर्च किया। नदी क्षेत्र वीरान और वहां बड़े -बड़े कूंचे थे। ऐसे में सर्च कर पाना मुश्किल था। फिर भी ग्रामीणों ने हिम्मत नहीं हारी और आखिरकार बच्चे तक पहुंच ही गए। ग्रामीणों ने बताया कि जब ग्रामीण बोलेरो की ओर आगे बढ़ रहे थे तो बदमाशों ने ग्रामीणों को डराने के लिए हथियार होने का संकेत दिया। दोनों आपस में बतिया रहे थे कि हथियार निकालो... हथियार निकालो....। इसलिए ग्रामीण एक बार घबरा गए इसी का फायदा उठाकर बदमाश भाग गए। गाड़ी और बच्चा छोड़ गए। यह जानकारी यूथ कांग्रेस अध्यक्ष सुधींद्र मूंड के पास भी पहुंची। जिन्होंने फोन कर अपनी टीम को सर्च में लगाया और सभी को कहा कि 4 अक्टूबर को उनकी बेटी का जन्मदिन है। वे जब तक बच्चा सकुशल नहीं मिल जाता है तब तक अपनी बेटी के जन्मदिन का केक नहीं काटेंगे।

'ग्रामीणों को देंगे प्रशंसा पत्र':- बच्चे को दस्तयाब करने के बाद सीकर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीकर एसपी कुंवर राष्ट्रदीप ने कहा कि बिना ग्रामीणों के सहयोग से इस ऑपरेशन को कामयाब करना मुश्किल था। यही नहीं, जहां-जहां जिस-जिस गांव का इनपुट मिला। उसी गांव के लोगों ने पुलिस का सहयोग किया। उन्होंने कहा कि भाटीवाड़ और खींवासर के जिन लोगों ने इस ऑपरेशन में सहयोग किया है। उन्हें वे अपने हस्ताक्षरों से प्रशंसा पत्र देंगे। सीकर एसपी ने झुंझुनूं एसपी मृदुल कच्छावा के त्वरित एक्शन के साथ किए गए सहयोग की भी जमकर तारिफ की।

ग्रामीणों ने असामाजिक तत्वों को पकड़कर पुलिस को सौंपा

पकड़े गए युवकों सहित मौका पाकर भागे बदमाशों की सात बाइक ग्रामीणों ने पुलिस को दी

सारंगपुरा गांव के ग्रामीणों ने बदमाशों की बाइकों को पुलिस को सुपुर्द किया।

कानोड़, (निसं)। ग्राम पंचायत सारंगपुरा के सीड़ गांव में बुधवार रात को खेल मैदान पर कुछ लोगों के बैठे होने की सूचना ग्रामीणों की मिली तो काफी संख्या में ग्रामीण खेल मैदान पहुंच गए, तो वहां बैठे लोग ग्रामीणों को देखकर भागने लगे जिसमें से पांच लोगों को ग्रामीणों ने दबोच लिया बाकी मौके से भाग निकले।

ग्रामीणों ने पकड़े गए युवकों से की गई पूछताछ में बार-बार बयान बदलने की वजह से ग्रामीणों को संदेह हुआ और पुलिस को सूचना दी। इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद तीन पुलिसकर्मी रात करीब 1:30 बजे मौके पर पहुंचे जहां ग्रामीणों ने 5 युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंपा । वही प्रात: काफी संख्या में ग्रामीण पुलिस थाने पहुंचे और पकड़े गए युवकों सहित मौका पाकर भागे लोगों की 07 बाइक पुलिस के हवाले किया। जिसमें से कुछ वाहनों के नंबर तक नहीं थे।

स्थानीय सरपंच प्रकाश मीणा सहित ग्रामीणों ने पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर लगातार चोरियों की वारदातें इन्हीं लोगों द्वारा करने का संदेश जताया और कार्रवाई की मांग की। ग्रामीण किशन लाल पिता नारायण लाल मीणा ने कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस थाने में दिए गए पत्र में बताया कि बीते लंबे समय से असामाजिक तत्वों ने गांव में आतंक मचा रखा है । असामाजिक तत्व बीती रात को खेल मैदान में मीटिंग कर रहे थे गांव वालों को पता चला फिर गांव वाले खेल मैदान पहुंचे जहां मौजूद भूरा लाल पिता नाना लाल मीणा, रतनलाल पिता तुलसीराम मीणा निवासी आंबाकुआं मौके पर अपनी बाइक छोड़कर भाग गए ।

प्रार्थी ने आरोप लगाया कि हमारे गांव में मंदिर नारसिंह माता के दानपात्र को करीब 1 माह पूर्व तोड़ा गया आए दिन लोग हमारे गांव में चोरियां कर रहे हैं।

अफीम का दूध बरामद, अध्यापक सहित दो गिरफ्तार

चितलवाना पुलिस ने अवैध अफीम का दूध बरामद कर अध्यापक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जालोर, (कासं)। डीएसटी एवं चितलवाना पुलिस की अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही में18 किलो, 995 ग्राम अवैध अफीम का दूध बरामद कर अध्यापक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त वाहन को भी जब्त किया है। तथा आरोपियों के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त से अर्जित 11,98,000/- रूपये की नकद राशि जब्त की है। बरामद उक्त अफीम की बाजार किमत पच्चीस लाख रुपये आंकी गई है।

जालोर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशानुसार गठित पुलिस टीमों ने निरन्तर प्रभावी गश्त, नाकाबंदी एवं तकनीकी के आधार पर एनएच 68 सरहद चारणीम से श्रवण कुमार (38) पुत्र रुगनाथराम, जाति विश्नोई, निवासी रतनपुरा, पुलिस थाना चितलवाना एवं कैलाशचन्द्र (34) पुत्र हरीशचन्द्र, जाति विश्नोई निवासी सेवाड़ा, पुलिस थाना करड़ा हाल अध्यापक, राजकीय प्राथमिक विद्यालय मलार नाडी, सेवाड़ा पुलिस थाना करड़ा को दस्तयाब कर बड़ी कार्यवाही करते हुए मुलजिमानों से कब्जे से कुल 18 किलो 995 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध तथा अवैध मादक पदार्थ खरीद फरोख्त से अर्जित कुल 11,98,000 रुपये (ग्यारह लाख अठानवे हजार) रूपये की नकद राशि बरामद की ।

मुलजिमानों से मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त वाहन क्रेटा कार को जब्त किया जाकर मुलजिमानों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त गण द्वारा भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध अपने कब्जे में रखकर परिवहन करने के जुर्म में प्रकरण दर्ज किया गया। मुलजिमानों से अवैध मादक पदार्थ अफीम के दूध की खरीद-फरोख्त के सम्बध में अनुसंधान जारी है।

बीसलपुर से बनास नदी में पानी की निकासी बंद

टोंक, (निसं)। प्रदेश के प्रमुख बांध बीसलपुर बांध से बनास नदी में पानी की निकासी बंद कर दी गई है। गौरतलब होगा कि 26 अगस्त को बीसलपुर बांध के पूरे भराव की क्षमता 315.50 आरएलमीटर पार करने के बाद बीसलपुर बांध के दो गेट खोलकर पानी की निकासी शुरु की गई और उसके बाद चार गेट खोले गए थे। बाद में पानी आवक होने के साथ ही दो गेट व एक गेट को खोलकर पानी की निकासी की जा रही थी।

बीसलपुर बांध से 40 दिनों तक बनास नदी में 10.5 टीएमसी पानी की निकासी की गई। वर्तमान में बीसलपुर बांध का जल स्तर 315.50 आरएलमीटर स्थिर है।

भारतीय सनातन संस्कृति के महान पर्व एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना दिवस विजयादशमी उत्सव बुधवार को मनाया गया। इस मौके पर शहर में शौर्य, साहस, शक्ति एवं समभाव प्रदर्शित करती पंक्तिबद्ध स्वयंसेवकों का पथ संचलन किया । नगरवासियों द्वारा चौराहों पर रंगोलियां व पुष्प वर्षा कर जगह जगह स्वागत किया गया। संघ के विभाग प्रचार प्रमुख महेंद्र विजय ने बताया कि मदरलैण्ड स्कूल में विजयादशमी उत्सव पर नगर संघ चालक दिनेश बुन्देल तथा प्रान्त सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख दिनेश मणिरत्नम ने शस्त्र पूजन किया।

सवाई माधोपुर-मथुरा सवारी गाड़ी पुन: स्पेशल के रूप में बहाल

कोटा, (निसं)। सवाई माधोपुर-मथुरा-सवाई माधोपुर के मध्य प्रतिदिन चलने वाली सवारी गाड़ी की सेवा पुन: बहाल कर दी गई है । सवाई माधोपुर और मथुरा के मध्य पूर्व में चलने वाली सवारी गाड़ी संख्या 54794/54793 को 'गाड़ी संख्या 04794 मथुरा से सवाई माधोपुर स्पेशल को दिनांक 07 अक्टूबर' से एवं 'गाड़ी संख्या 04793 सवाई माधोपुर से मथुरा को दिनांक 08 अक्टूबर' से स्पेशल गाड़ी के रूप में पुन: बहाल कर दिया गया है।

मथुरा से सवाई माधोपुर की ओर जाने वाली स्पेशल गाड़ी संख्या 04794 प्रतिदिन दोपहर दो बजे मथुरा से प्रस्थान कर मुड़ेसी रामपुर दोपहर 02.09 बजे, चूरामन नगरी दोपहर 02.14 बजे, जैजनपट्टी दोपहर 02.22 बजे, रानीकुंड रारह दोपहर 02.28 बजे, धारूरमुई जाघना दोपहर 02.36 बजे, भरतपुर दोपहर 02.45 बजे, सेवार दोपहर 02.59 बजे, जैचोली दोपहर 03.06 बजे, पिन्गोरा दोपहर 03.13 बजे, दोपहर 03.24 बजे, सालाबाद दोपहर 03.31 बजे, बयाना दोपहर 03.46 बजे, डुमरिया दोपहर 03.59 बजे, फतेह सिंघपुरा शाम 04.09 बजे, धिन्डोरा हुक्मीखेरा शाम 04.16 बजे, हिण्डौन सिटी शाम 04.25 बजे, सिकरोड़ा मीना शाम 04.36 बजे, श्री महावीर जी शाम 04.44 बजे, खंदिप शाम 04.52 बजे, पिलिओदा शाम 04.59 बजे, छोटी ओदई शाम 05.09 बजे, गंगापुर सिटी शाम 05.35 बजे, लालपुर उमरी शाम 05.49 बजे, नारायणपुर तत्वार शाम 05.59 बजे, नोमोडा शाम 06.09 बजे, मलारना शाम 06.18 बजे, मोखोली शाम 06.34 बजे, रणथम्भौर शाम 06.44 बजे आगमन होकर सवाई माधोपुर शाम 07.35 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में सवाई माधोपुर से मथुरा की ओर जाने वाली स्पेशल गाड़ी संख्या 04793 प्रतिदिन सुबह 05.45 बजे सवाई माधोपुर से प्रस्थान कर रणथम्भौर 05.54 बजे, मोखोली 06.04 बजे, मलारना 06.15 बजे, नोमोड़ा 06.24 बजे, नारायणपुर तत्वार 06.34 बजे, लालपुर उमरी 06.44 बजे, गंगापुर सिटी 07.00 बजे, छोटी ओदई 07.17 बजे, पिलिओदा 07.26 बजे, खंदिप 07.34 बजे, श्री महावीर जी 07.44 बजे, सिकरोड़ा मीना 07.51 बजे, हिण्डौन सिटी 07.58 बजे, धिन्डोरा हुक्मिखेरा 08.08 बजे, फतेह सिंघपुरा 08.15 बजे, डुमरिया 08.29 बजे, बयाना 08.40, सालाबाद 08.53, केला देवी 08.59 बजे, पिन्गोरा 09.09 बजे, जैचोली 09.17 बजे, सेवार 09.29 बजे, भरतपुर 09.45 बजे, धारूरमुई जाघना 09.59 बजे, रानीकुंड रारह 10.06 बजे, जैजनपट्टी 10.14 बजे, चूरामन नगरी 10.21 बजे, मुड़ेसी रामपुर 10.49 बजे आगमन होकर मथुरा 11.35 बजे पहुंचेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ जनसम्पर्क अधिकारी-कोटा रोहित मालवीय द्वारा बताया कि यह निर्णय यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इस संबंध में सर्व संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि ऊक्त ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, पूछताछ नं 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करे।

महिला की मौत प्रकरण में पति गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर जिले के भोजासर हलके में महिला की संदिज्ध मौत पर पुलिस ने जांच कर उसके पति को गिरफ्तार किया है। आज उससे पूछताछ की गई। महिला की हत्या उसके पति ने मनमुटाव के चलते की थी। वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी पति ने अपने दोस्त का सहयोग लिया था। आरोपी पति गिरफ्तार किया गया है। जबकि दोस्त की तलाश की जा रही है। आरोपी स्कूल में अध्यापक है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अनिल कयाल ने बताया कि 20 सितंबर को कृष्णनगर चाडी भोजासर निवासी धीरज पुत्री नैनूराम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मामले में मृतक के पिता ने बताया कि उसकी पुत्री धीरज की शादी श्रवण कुमार विश्नोई निवासी मानेवडा के साथ की हुई थी। 18-19 सितंबर की रात में श्रवण कुमार ने अपने दोस्तों सुरेश एवं सादुल सिंह के साथ मिलकर हत्या कर साक्ष्य नष्ट करनें के नीयत से पानी में रहवासी घर के आगे बने टांके में डाल दिया।

पुलिस अधीक्षक कयाल ने बताया कि उक्त वारदात की गम्भीरता को देखते पुलिस की टीम ओसियां वृताधिकारी नूर मोहम्मद के साथ गठित की गई। घटनाक्रम में अनुसंधान किया गया तो पता लगा कि अभियुक्त श्रवणकुमार व उनकी पत्नी धीरज के बीच में शादी के कुछ समय बाद से ही आपसी मनमुटाव एवं तकरार रहने के कारण पूर्व में भी अपनी पत्नी को मारनें का प्रयास किया था। 18-19. सितंबर की रात में श्रवण कुमार द्वारा अपनी पत्नी धीरज को जान से मारनें के उदेश्य से अपने परिचित दोस्त चंपासर निवासी सादुल राजपूत के साथ मिलकर अपनी पत्नी धीरज को घर से बाहर बुलाकर मुंह व नाक पर कपडा ठूंस दिया। मृतका के दांत जुड जानें पर श्रवण कुमार व सादुल सिंह द्वारा रहवासी घर के आगे बने टांके में डाल दिया गया। बाद में आरोपी श्रवण कुमार द्वारा नोखा एवं सादूल सिंह द्वारा गुजरात भाग जाना पाया गया। सादूल सिंह को पुलिस ने दस्तयाब कर गिरफ्तार किया।

रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले बारिश में भीगे

बारिश में भीगते हुए रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले।

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय पर दशहरे के दिन बुधवार शाम को अचानक मौसम बिगडने के साथ ही बारिश का दौर शुरु हो गया। शाम को 4 बजे बाद मौसम परिवर्तन होने लगा और बादल छाने के साथ घटाएं आना शुरु हो गई और शाम 5 बजे बाद से बारिश का दौर शुरु हो गया। अचानक बारिश का दौर शुरु होने से टोंक शहर में दशहरा महोत्सव के तहत स्टेडियम के पास हॉट बाजार में खडे रावण दहन के लिए खडे रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले भीग गए।

बारिश के चलते गांधी खेल मैदान टोंक में आयोजित दशहरा महोत्सव के तहत खडा 51 फूट का पुतला भीग गया और दशहरे के दिन रावण दहन को बारिश के चलते रावण दहन कार्यक्रम में अग्नि संस्कार की जगह जल संस्कार का नजारा देखने को मिला। जिसके चलते आयोजक एवं रावण के पुतला दहन कार्यक्रम में लगे शोरगर आतिशबाजी के पटाखों की सुरक्षा करते हुए नजर आए। इधर बारिश के बावजूद भी चारभुजा नाथ व्यायाम शाला के पट्टे दिखाने वाले हर हर बंम के नारे लगाते हुए मुख्य बाजार से होते हुए मंशापूर्ण भूश्तेवर महादेव मन्दिर पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक आयोजक रावण की दहन की व्यवस्था में जुटे थे।

छात्रा ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के नेगाला गांव में 12 कक्षा की एक छात्रा ने अपने घर में चुन्नी से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय मृतका की मां और भाई दुकान पर गए हुए थे। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मृतका की मां की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौरासी पुलिस ने बताया कि नेगाला निवासी लीला ने रिपोर्ट में बताया कि उसके पति की कई साल पहले मौत हो चुकी है । कल सुबह लीला और उसका बेटा दोनों दुकान पर चले गए थे। घर पर उसकी 18 वर्षीय बेटी वसुंधरा अकेली थी। दोपहर को लीला भोजन बनाने के लिए वापस अपने घर पहुंची, लेकिन घर का दरवाजा बंद था। काफी देर तक दरवाजा खट-खटाया और आवाज भी लगाई, लेकिन वसुंधरा ने दरवाजा नहीं खोला।

लीला ने मामले की जानकारी अपने पडोसियों दी। जिस पर पडौसी लीला के घर पहुंचे। इस दौरान पडौसियों ने घर की छत के केलू हटवा और छत के रास्ते से घर के अन्दर घुसे। अंदर घुसने पर देखा तो वसुंधरा घर में ही पाट पर चुन्नी का फंदा लगाकर लटकी हुई थी। इस पर लोगो ने वसुंधरा को नीचे उतारा और डूंगरपुर जिला अस्पताल लेकर आये। जहा पर डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या के मामले का खुलासा नहीं हो पाया है।

जालोर में बजरी माफिया लीज पूरी होने के बाद भी वसूल रहा रॉयल्टी

दो माह पहले ही जालोर तहसील का रॉयल्टी का ठेका पूरा होने के बाद भी हो रही अवैध वसूली

बजरी और गिट्टी एसोसिएशन ने जिला कलैक्टर निशांत जैन को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की।

जालोर, (कासं)। जिला मुख्यालय सहित आस-पास के क्षेत्रों में बजरी माफियाओं द्वारा अवैध रॉयल्टी वसूलन कर भी रसीद नहीं दी जारी है। लीज का समय पूरा होने के बावजूद भी बजरी माफिया नाका पर बैठे हैं। इसको लेकर बुधवार को बजरी और गिट्टी एसोसिएशन ने जिला कलैक्टर निशांत जैन को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है।

ज्ञापन में बताया कि एसोसिएशन के सदस्य लंबे समय से शहर में बजरी और गिट्टी की सप्लाई का काम कर रहे हैं । साथ ही उन्होंने बताया कि रॉयल्टी वाले खुद रात को नदी में अवैध खनन कर यार्ड को भरते हैं और सुबह अवैध रॉयल्टी रवन्ना देते है। साथ ही उन्होंने बताया कि दो माह पहले ही जालोर तहसील का बजरी खनन रॉयल्टी का ठेका पूरा हो चुका है, फिर भी रॉयल्टी वाले लिए गए पैसे की रसीद भी नहीं देते और न ही इन पैसों की कहीं एंट्री की जाती है।

साथ ही उन्होंने बताया कि रॉयल्टी वाले माइनिंग विभाग से मिलीभगत कर रॉयल्टी से मंगाई गई बजरी के ट्रैक्टर को जबरन और अवैध तरीके से पकडकर थाने में खड़ा करवा देते हैं और माइनिंग विभाग वाले ऑफिस में बैठे-बैठे सुपर्दगीनामा बना देते हैं, इसकी हमें आरटीआई और रिपोर्ट भी नहीं दी जाती। इतना ही नहीं रॉयल्टी वाले रात के समय नदी के पास वाले बेरों पर आकर लोगों को धमकाते हैं और जान से मारने की धमकी भी देते हैं जिससे यहां के लोगों में भय व्याप्त है।

एसोसिएशन ने रॉयल्टी से डंपर भरकर लाई गई बजरी को ट्रैक्टर से डालने के लिए परमिट देने की भी मांग की। साथ ही उन्होंने नियमानुसार रॉयल्टी देने पर भी सहमति जताई। साथ ही उन्होंने अवैध वसूली करने वाले रॉयल्टी ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की भी मांग की है।